इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर हुआ मंथन

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सहयोग से 'विकसित भारतः विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण' विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई। कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक वैश्विक मंच प्रदान करना था, जहाँ वे भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवोन्मेषी रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर सकें।

कार्यक्रम में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के वीसी प्रो. संजय कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में और पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डॉ. रवि इंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टीएसएफ़ इंडिया एवं इटली के मुख्य रणनीति अधिकारी तथा अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख के रूप में कार्यरत अविनाश कुमार सिंह मुख्त वक्ता थे। सम्मेलन का शुभारंभ जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी, चंडीगढ़ के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने संस्था की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। जीजीडीएसडी सोसाइटी के महासचिव डॉ. एससी. वैद्य ने इस प्रासंगिक विषय के चयन के लिए कॉलेज को बधाई दी और अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन में शिक्षा और अनुसंधान को व्यावहारिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़े बिना प्रासंगिक बनाए रखना संभव नहीं है। सम्मेलन को 150 से अधिक प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त हुई। औपचारिक कार्यवाही का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के समापन सत्र से हुआ। इस अवसर पर कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव बहल ने विभाग की भूमिका को नवाचारी शोध और मूल्य-आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में रेखांकित किया।

Ajit 21-9-25

'ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਪੈਰਾਡਾਈਮ ਨੂੰ ਮੁੜ ਪਰਿਭਾਸ਼ਿਤ ਕਰਨਾ ਵਿਜ਼ਨ 2047' ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਕਰਵਾਈ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ , 20 ਸਤੰਬਰ (ਅ.ਬ.)-ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੀਜੀ ਵਿਭਾਗ ਆਫ਼ ਕਾਮਰਸ ਐਂਡ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਨੇ ਡੀਨ, ਕਾਲਜ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕੌਂਸਲ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ 'ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਪੈਰਾਡਾਈਮ ਨੂੰ ਮੁੜ ਪਰਿਭਾਸ਼ਿਤ ਕਰਨਾ ਵਿਜ਼ਨ 2047' ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਕਰਵਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀਆਂ, ਨੀਤੀ ਨਿਰਮਾਤਾਵਾਂ, ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਆਗੂਆਂ, ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 2047 ਤੱਕ ਇੱਕ ਵਿਕਸਤ ਰਾਸ਼ਟਰ ਬਣਨ ਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਨਵੀਨਤਾਕਾਰੀ ਰਣਨੀਤੀਆਂ 'ਤੇ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਇੱਕ ਗਲੋਬਲ ਪਲੇਟਫਾਰਮ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਸੀ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਪ੍ਰੋ. ਸੰਜੇ ਕੌਸ਼ਿਕ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਅਤੇ ਡਾ. ਰਵੀ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਡੀਨ, ਕਾਲਜ ਵਿਕਾਸ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ , ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੁਝਵਾਨ ਭਾਸ਼ਣਾਂ ਨੇ ਇੱਕ ਸਵੈ-ਨਿਰਭਰ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਭਾਰਤ ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਦੂਰਦਰਸ਼ੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ, ਨਵੀਨਤਾਕਾਰੀ ਵਪਾਰਕ ਮਾਡਲਾਂ ਅਤੇ ਸਹਿਯੋਗੀ ਯਤਨਾਂ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਪੈਰਾਡਾਈਮ ਨੂੰ ਬਦਲਣ ਵਿੱਚ ਆਟੋਮੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਆਰਟੀਫੀਸ਼ੀਅਲ ਇੰਟੈਲੀਜੈਂਸ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ 'ਤੇ ਵੀ ਚਾਨਣਾ ਪਾਇਆ। ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਜੀਜੀਡੀਐੱਸਡੀ ਕਾਲਜ ਸੋਸਾਇਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ ਪ੍ਰੋ. ਅਨਿਰੁਧ ਜੋਸ਼ੀ ਦੇ ਸਵਾਗਤੀ ਭਾਸ਼ਣ ਨਾਲ ਹੋਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੰਸਥਾ ਦੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਉੱਤਮਤਾ ਅਤੇ ਸੰਪੂਰਨ ਵਿਕਾਸ ਪ੍ਰਤੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ 'ਤੇ ਚਾਨਣਾ ਪਾਇਆ। ਰਸਮੀ ਕਾਰਵਾਈ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ, ਜੀਜੀਡੀਐੱਸਡੀ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਵਿਦਾਇਗੀ ਸੈਸ਼ਨ ਨਾਲ ਸਮਾਪਤ ਹੋਈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਯੋਗਦਾਨ ਦਾ ਸਨਮਾਨ ਕੀਤਾ। ਪਤਵੰਤੇ, ਭਾਗੀਦਾਰ, ਅਤੇ ਪੀਜੀ ਵਿਭਾਗ ਆਫ਼ ਕਾਮਰਸ ਐਂਡ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਟੀਮ ਨੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਆਲੋਚਨਾਤਮਕ ਸੋਚ ਨੂੰ ਪਾਲਣ, ਉੱਦਮੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵ ਅਰਥਵਿਵਸਥਾ ਦੀਆਂ ਗਤੀਸ਼ੀਲ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਬੋਲਦਿਆਂ, ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਬਹਿਲ, ਪੀਜੀ ਵਿਭਾਗ ਆਫ਼ ਕਾਮਰਸ ਐਂਡ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਦੇ ਮੁਖੀ, ਨੇ ਨਵੀਨਤਾਕਾਰੀ ਖੋਜ ਅਤੇ ਮੁੱਲ-ਅਧਾਰਤ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਕੇਂਦਰ ਵਜੋਂ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨੂੰ ਰੇਖਾਂਕਿਤ ਕੀਤਾ। ਡਾ. ਮੇਰੂ ਸਹਿਗਲ, ਡੀਨ, ਕਾਮਰਸ ਨੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਭਿਆਸਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਪਰਿਭਾਸ਼ਿਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਅਕਾਦਮਿਕ-ਉਦਯੋਗ ਸਹਿਯੋਗ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ 'ਤੇ ਵੀ ਚਾਨਣਾ ਪਾਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਅਤਿ-ਆਧੁਨਿਕ ਖੋਜ ਨੂੰ ਵਿਹਾਰਕ ਹੱਲਾਂ ਨਾਲ ਜੋੜਨ ਦਾ ਇੱਕ ਵਿਲੱਖਣ ਮੌਕਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ।

एसडी कॉलेज में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर हुआ मंथन

चंडीगढ़, 20 सितम्बर (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को डीन, कॉलेज डेवलपमेंट कार्डसिल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सहयोग से विकसित भारत : विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई। कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक वैश्विक मंच प्रदान करना था, जहां वे भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवोन्मेषी रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर सकें। कार्यक्रम में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के वीसी प्रो. संजय कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में और पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डॉ. रवि इंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके संबोधनों ने दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया, जो आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक स्तर पर प्रबंधन के प्रतिमानों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

टीएसएफ इंडिया एवं इटली के मुख्य रणनीति अधिकारी तथा अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख के रूप में कार्यरत अविनाश कुमार सिंह मुख्त वक्ता थे। सम्मेलन का शुभारंभ जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी, चंडीगढ़ के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने संस्था की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। प्रो. जोशी ने कहा कि यह सम्मेलन प्रबंधन अनुसंधान और व्यवहार को भारत के राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों विकसित भारत 2047 के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जीजीडीएसडी सोसाइटी के महासचिव डॉ. एससी. वैद्य ने इस प्रासंगिक विषय के चयन के लिए कॉलेज को बधाई दी और अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन में शिक्षा और अनुसंधान को व्यावहारिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़े बिना प्रासंगिक बनाए रखना संभव नहीं है।

एसडी कॉलेज में प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा मुख्यातिथियों का सम्मान करते हुए। (छाया : कमलजीत सिंह)

देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए विद्वानों और विशेषज्ञों तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के सहयोगी संस्थानों से आए शिक्षकों ने अपने-अपने विविध विषयों पर प्रायोगिक और सैद्धांतिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन को 150 से अधिक प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त हुई। औपचारिक कार्यवाही का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के समापन सत्र से हुआ। उन्होंने पीजी विभाग, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट की आयोजन टीम, सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन संस्थान के उस मिशन को प्रतिबिंबित करता है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में क्रिटिकल थिंकिंग को प्रोत्साहित करना, उद्यमिता की भावना विकसित करना और उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती चुनौतियों के लिए तैयार करना शामिल है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के विज़न के अनुरूप प्रबंधन प्रतिमानों को पुनः परिभाषित करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे सतत विकास, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव बहल ने विभाग की भूमिका को नवाचारी शोध और मूल्य-आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में रेखांकित किया। वहीं, कॉमर्स की डीन डॉ. मेरु सहगल ने प्रबंधन प्रथाओं को पुनर्परिभाषित करने में अकादमिक और उद्योग जगत के बीच सहयोग की महत्ता पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव एवं आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. मोनिका सचदेवा ने आयोजन समिति, संकाय सदस्यों, छात्र स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के निरंतर परिश्रम एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
21-Sep-2025
Page: 3
http://www.ajitsamachar.com/20250921/20/3/1_1.cms

Amar Ujala 21-9-25

एसडी कॉलेज में हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेते विशेषज्ञ। संस्थान

2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीति पर चर्चा

एसडी कॉलेज में विकसित भारतः विजन 2047 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

चंडीगढ़। एसडी कॉलेज के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय के डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के सहयोग से विकसित भारतः विजन 2047 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया। इसमें भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक और विशिष्ट अतिथि पीयू डीन डॉ. रवि इंदर सिंह ने शिरकत की। उन्होंने प्रबंधन के वैश्विक परिदृश्य में स्वचालन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका को रेखांकित किया।

इस मौके पर अविनाश कुमार सिंह, डॉ. भरत, वेम्सली डब्ल्यू.ओकुकु एवं सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर शामिल रहे। इसमें उद्यमिता विकास, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक विकास, विपणन एवं प्रबंधन प्रथाएं वित्त, लेखा एवं अर्थशास्त्र और उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। संवाद

amarujala.com/chandigarh

चंडीगढ़ | सोमवार • 22.09.2025

my city

अमर उजाला

03

शिक्षा, शोध व उद्योग का सहयोग भविष्य की कुंजी

एसडी कॉलेज में वैश्विक मंच, विकसित भारत के लिए नई रणनीतियों पर चर्चा

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में कॉलेज के पीजी कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग ने विकसित भारतः विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण विषय पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के सहयोग से इसका आयोजन हुआ। इसमें शिक्षा, शोध और

शिक्षाविद्, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और शोधकर्ता हुए शामिल

उद्योग जगत के विशेषज्ञ साझा मंच आए और नए विचार पेश किए। कार्यक्रम में गुरुग्राम से चंडीगढ़ तक के शिक्षाविद, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और शोधकर्ता कॉलेज में जुटे।

कांफ्रेंस से निष्कर्ष के रूप में जो विचार निकलकर आए उनका सार था कि-भारत @2047 के लक्ष्य के लिए नवोन्मेषी रणनीतियों की जरूरत है। ऑटोमेशन और एआई प्रबंधन के प्रतिमान बदल रहे हैं इसलिए शिक्षा, शोध और उद्योग का सहयोग ही भविष्य की कुंजी है।

मुख्य अतिथि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय कौशिक, विशिष्ट अतिथि पंजाब विवि के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डॉ. रवि इंदर सिंह उपस्थित रहे। अविनाश कुमार सिंह (सीएसओ, टीएसएफ इंडिया एवं इटली) मुख्य वक्ता रहे।

Arth Parkash 21-9-25

एसडी कॉलेज में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेस में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर हुआ मंथन

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 20 सितंबर। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म (जीजीडीएसडी) कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग द्वारा शनिवार को 'विकसित भारतः विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के सहयोग से हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहाँ वे भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवाचारी प्रबंधन रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर सकें। मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय कौशिक और विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. रवि इंदर सिंह उपस्थित रहे। दोनों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, और सामूहिक नेतृत्व जैसे विषयों की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं। मुख्य वक्ता अविनाश कुमार सिंह (मुख्य रणनीति अधिकारी, टीएसएफ इंडिया एवं इटली) ने वैश्विक दृष्टिकोण से भारत के विकास में प्रबंधन की भूमिका पर बात की। कार्यक्रम का शुभारंभ जीजीडीएसडी सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ। सम्मेलन में देशभर के शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया और विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने आयोजन समिति, प्रतिभागियों और विशिष्ट अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन छात्रों में उद्यमिता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। कॉमर्स विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव बहल और डीन डॉ. मेरु सहगल ने शिक्षा और उद्योग के सहयोग को नवाचार का आधार बताया। आयोजन सचिव डॉ. मोनिका सचदेवा ने सफल आयोजन के लिए सभी का आभार जताया।

जीजीडीएसडी कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को विभिन्न इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नीक की बारीकियों से कराया गया अवगत

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कैमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत इंस्ट्रूमेंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों जैसे यूवी, आईआर, एचपीएलसी एवं जीसी के प्रयोग और अनुप्रयोगों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

विशेषज्ञों ने छात्रों को इन इंस्ट्रूमेंट्स की कार्यप्रणाली एवं अनुसंधान व उद्योग में उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर छात्रों को अनुभवी फैकल्टी मेंबर्स से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। प्रस्तुतियों एवं डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स की बारीकियों से अवगत कराया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने मुख्य वक्ता आईसर. मोहाली के कैमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देबाशीष अधिकारी का पौधा भेंटकर स्वागत किया। वहीं, कैमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. जसअमृत नय्यर ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को छात्र समुदाय में बौद्धिक और प्रेरणादायी वातावरण निर्मित करने के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. देबाशीष अधिकारी ने यूवी स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक के महत्व एवं अनप्रयोगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. महक रोहिल्ला ने हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) की मूलभूत जानकारियाँ साझा कीं। जसप्रीत कौर ने आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। डॉ. मोइत्री लास्कर ने गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी) की संकल्पनाओं एवं अनुप्रयोगों पर रोशनी डाली। छात्रों ने सक्रिय रूप से वक्ताओं के साथ बातचीत की और विभिन्न स्पेक्टोस्कोपिक टेक्निक्स के अनुप्रयोगों को लेकर उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे। वर्कशॉप के अंत में प्रस्तुत किए गए विषयों पर आधारित एक क्विज़ का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रस्तुतियों के बाद विभिन्न इंस्ट्रूमेंट्स पर व्यापक डेमो सेशन्स आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों को तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। डॉ. ममता शर्मा ने यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रदर्शन किया।

जबकि रवीना भंडारी और नेहा नंदा ने क्रमशः एचपीएलसी और जीसी इंस्ट्रूमेंट्स की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। अंत में, डॉ. श्वेता वाधवान और डॉ. ज्योति कटारिया ने फैकल्टी मेंबर्स और विद्यार्थियों का उनके उत्साही सहभाग और अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिसने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपर्ण भमिका निभाई।

एसडी कॉलेज की इंटरनेशनल कांफ्रेंस में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर हुआ मंथन

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सहयोग से विकसित भारतः विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई।

कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक वैश्विक मंच प्रदान करना था, जहाँ वे भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवोन्मेषी रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर सकें। कार्यक्रम में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के वीसी प्रो. संजय कौशिक मख्य अतिथि के रूप में और पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डॉ. रवि इंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके संबोधनों ने दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया, जो आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक स्तर पर प्रबंधन के प्रतिमानों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। टीएसएफ इंडिया एवं इटली के मुख्य रणनीति अधिकारी तथा अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख के रूप में कार्यरत अविनाश कुमार सिंह मुख्त वक्ता थे। सम्मेलन का शुभारंभ जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी, चंडीगढ़ के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने संस्था की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। प्रो. जोशी ने कहा कि यह सम्मेलन प्रबंधन अनुसंधान और व्यवहार को भारत के राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों - विकसित भारत @ 2047 के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जीजीडीएसडी सोसाइटी के महासचिव डॉ. एससी. वैद्य ने इस प्रासंगिक विषय के चयन के लिए कॉलेज को बधाई दी और अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन में शिक्षा और अनुसंधान को व्यावहारिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़े बिना प्रासंगिक बनाए रखना संभव नहीं है।

देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए विद्वानों और विशेषज्ञों तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के सहयोगी संस्थानों से आए शिक्षकों ने अपने-अपने विविध विषयों पर प्रायोगिक और सैद्धांतिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन को 150 से अधिक प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त हुई। औपचारिक कार्यवाही का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के समापन सत्र से हुआ।

Chandigarh Bhaskar 21-9-25

जीजीडीएसडी कॉलेज में विकसित भारत-2047 विजन पर कॉन्फ्रेंस

चंडीगढ़| गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म (जीजीडीएसडी) कॉलेज ने पंजाब यूनिवर्सिटी के सहयोग से 'विकसित भारत : विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इसमें देशभर के शिक्षाविदों, शोधार्थियों और उद्योग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. संजय कौशिक और बिशिष्ट अतिथि पीयू डीन डॉ. रवि इंदर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए नवाचार, नेतृत्व और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर अविनाश कुमार सिंह ने वैश्विक व्यापार मॉडल्स पर अनुभव साझा किए। सम्मेलन में उद्यमिता विकास, एचआर मैनेजमेंट, मार्केटिंग, फाइनेंस और प्रोडक्शन जैसे विषयों पर शोध पत्र पेश हुए। बीएचयू, दिल्ली, लखनऊ, इलाहाबाद समेत पंजाब, हरियाणा व हिमाचल के शोधार्थियों ने भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि यह आयोजन छात्रों को आलोचनात्मक सोच और उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करेगा। आयोजन सचिव एवं आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. मोनिका सचदेवा ने इसे टीम वर्क और साझा दृष्टि का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम यह भविष्य के शोध व नवाचार को प्रेरित करेगा और विकसित भारत 2047 के निर्माण में योगदान देगा।

विकसित भारत : विजन 2047 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

- शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत को मिला मंच
- अविनाश कुमार सिंह ने 18 वर्षों के विविध अनुभव साझा किए

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़: सेक्टर-32 स्थित एसडी कालेज में चंडीगढ़ के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय के डीन कालेज डेवलपमेंट काउंसिल के सहयोग से 'विकसित भारतः विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक और विशिष्ट अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय के डीन, डा. रवि इंदर सिंह ने शिरकत की।

उन्होंने आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यापार माडल और सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया।

मुख्य वक्ता अविनाश कुमार सिंह, चीफ स्ट्रैटेजी आफिसर, टीएसएफ इंडिया एवं इटली ने अपने 18 वर्षों के विविध अनुभव साझा किए। अन्य विशिष्ट वक्ताओं में डा. भरत, डीन सूचना एवं जनसंपर्क पंजाब विश्वविद्यालय शामिल रहे।

सम्मेलन का शुभारंभ प्रो. अनिरुद्ध जोशी, महासचिव एसडी कालेज सोसाइटी द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। डा. एससी. वैद्य, महासचिव एसडी कालेज सोसाइटी ने इस प्रासंगिक विषय पर सम्मेलन आयोजित करने के लिए कालेज की सराहना की और प्रबंधन शिक्षा व किए गए शोध कार्यों को भी वास्तविक व्यावसायिक प्रथाओं से जोड़ने की आवश्यकता पर ज्यादा बल दिया।

Dainik Savera Times 21-9-25

इंटरनैशनल कांफ्रेंस में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर हुआ मंथन

सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 20 सितंबर : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पोस्ट ग्रैजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सहयोग से विकसित भारतः विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषण विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई। कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक वैश्विक मंच प्रदान करना था, जहां वे भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवोन्मेषी रणनीतियों पर विचार-विमर्श कर सकें।

कार्यक्रम में गुरु ग्राम यूनिवर्सिटी, गुरु ग्राम के वीसी प्रो. संजय कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में और पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डॉ. रवि इंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

टीएसएफ इंडिया एवं इटली के मुख्य रणनीति अधिकारी तथा अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख के रूप में कार्यरत अविनाश कुमार सिंह मुख्त वक्ता थे। सम्मेलन का शुभारंभ जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी, चंडीगढ़ के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने संस्था की शैक्षणकि उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। प्रो. जोशी ने कहा कि यह सम्मेलन प्रबंधन अनुसंधान और व्यवहार को भारत के राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों विकसित भारत @ 2047 के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जीजीडीएसडी सोसाइटी के महासचिव डॉ. एससी. वैद्य ने इस प्रासंगिक विषय के चयन के लिए कॉलेज को बधाई दी और अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन में शिक्षा और अनुसंधान को व्यावहारिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ जोड़े बिना प्रासंगिक बनाए रखना संभव नहीं है। औपचारिक कार्यवाही का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के समापन सत्र से हुआ।

Divya Himachal 21-9-25

एसडी कालेज में एआई तकनीक पर चर्चा

सेक्टर-32 में विकसित भारत विज़न पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को डीन कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के सहयोग से विकसित भारत विज़न 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुन र्परिभाषण विषय पर इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आयोजित की गई। कान्फ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक वैश्विक मंच प्रदान करना था। जहां वे भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नवोन्मेषी रणनीतियों पर विचार विमर्श कर सकें। कार्यक्रम में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के वीसी प्रो. संजय कौशिक मुख्यातिथि के रूप में और पंजाब यूनिवर्सिटी के डीन कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल डा. रवि इंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके संबोधनों ने दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया, जो आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक स्तर पर प्रबंधन के प्रतिमानों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

Divya Himachal 21-9-25

कार्यक्रम गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज चंडीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में किया मंथन

देश को विकसित राष्ट्र बनाने पर जोर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो–चंडीगढ़

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज चंडीगढ़ के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय के डीनए कालेज डिवेलपमेंट काउंसिल के सहयोग से विकसित भारत विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यातिथि के रूप में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के डीन डा. रवि इंद्र सिंह ने शिरकत की। उन्होंने आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यापार मॉडल और सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रबंधन के वैश्विक परिदृश्य में स्वचालन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका को भी रेखांकित किया। मुख्य वक्ता के रूप में अविनाश कुमार सिंह, चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, इंडिया एवं इटली ने अपने 18 साल के विविध अनुभव साझा किए। अन्य विशिष्ट वक्ताओं में डा. भरत, डीन, सूचना एवं जनसंपर्क, पंजाब विश्वविद्यालय तथा मिस्टर वेम्सली डब्ल्यू ओकुकु, प्रबंधन विशेषज्ञ एवं सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर शामिल रहे। देशभर के कई शिक्षण संस्थानों जैसे इलाहाबाद, बनारस हिंदू, लखनऊ, दिल्ली विश्वविद्यालय सहित हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा के सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों और जीजीडीसीडी कालेज सोसायटी से जुड़े संस्थानों के शोधार्थियों व प्राध्यापकों ने भाग लिया। सम्मेलन में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

जीजीडीएसडी कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को विभिन्न इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स की बारीकियों से कराया गया अवगत

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कैमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत इंस्ट्रूमेंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों जैसे यूवी, आईआर, एचपीएलसी एवं जीसी के प्रयोग और अनुप्रयोगों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञों ने छात्रों को इन इंस्ट्रूमेंट्स की कार्यप्रणाली एवं अनुसंधान व उद्योग में उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर छात्रों को अनुभवी फैकल्टी मेंबर्स से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। प्रस्तुतियों एवं डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स की बारीकियों से अवगत कराया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने मुख्य वक्ता आईसर, मोहाली के कैमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देबाशीष अधिकारी का पौधा भेंटकर स्वागत किया। वहीं, कैमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. जसअमृत नय्यर ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को छात्र समुदाय में बौद्धिक और प्रेरणादायी वातावरण निर्मित करने के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. देबाशीष अधिकारी ने यूवी स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक के महत्व एवं अनुप्रयोगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. महक रोहिल्ला ने हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) की मूलभूत जानकारियाँ साझा कीं। जसप्रीत कौर ने आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों के बाद विभिन्न इंस्ट्रूमेंट्स पर व्यापक डेमो सेशन्स आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों को तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। डॉ. ममता शर्मा ने यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रदर्शन किया। जबकि रवीना भंडारी और नेहा नंदा ने क्रमशः एचपीएलसी और जीसी इंस्ट्रूमेंट्स की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। अंत में, डॉ. श्वेता वाधवान और डॉ. ज्योति कटारिया ने फैकल्टी मेंबर्स और विद्यार्थियों का उनके उत्साही सहभाग और अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिसने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम ने छात्रों को विचारों और तकनीकी अनुप्रयोगों के आदान-प्रदान का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया, जिससे विभिन्न विज्ञान क्षेत्रों में क्रॉस-लर्निंग को प्रोत्साहन मिला। डीन साइंसेज, डॉ. सजीव सोनी ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

Punjab Kesari 21-9-25

विकसित भारत | विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

वैश्विक परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस की भूमिका को किया रेखांकित

चंडीगढ़, 20 सितम्बर (रश्मि हंस): गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय के डीन, कॉलेज डिवैल्पमैंट काऊंसिल के सहयोग से "विकसित भारत : विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया।

सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के डीन, डॉ. रवि इंदर सिंह ने शिरकत की। उन्होंने आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत के निर्माण में दूरदर्शी नेतृत्व, नवोन्मेषी व्यापार मॉडल और सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने प्रबंधन के वैश्विक परिदृश्य में स्वचालन और आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस की भूमिका को भी रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में अविनाश कुमार सिंह, चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, इंडिया एवं इटली ने अपने 18 वर्षों के विविध अनुभव साझा किए। अन्य विशिष्ट वक्ताओं में डॉ. भरत, डीन, सूचना एवं जनसंपर्क, पंजाब विश्वविद्यालय तथा वेम्सली डब्ल्यू. ओकुकु, प्रबंधन विशेषज्ञ एवं सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर शामिल रहे। सम्मेलन का शुभारंभ प्रो. अनिरुद्ध जोशी, महासचिव कॉलेज सोसायटी द्वारा स्वागत भाषण से हुआ।

डॉ. एस.सी. वैद्य, महासचिव सोसायटी ने इस प्रासंगिक विषय पर सम्मेलन आयोजित करने के लिए कॉलेज की सराहना की और प्रबंधन शिक्षा व शोध को वास्तविक व्यावसायिक प्रथाओं से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार जताया और कहा कि यह सम्मेलन छात्रों में आलोचनात्मक सोच, उद्यमिता भावना और वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत : विजन 2047 हेतु प्रबंधन प्रतिमान का पुनर्परिभाषित विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन साझा दृष्टि, प्रतिबद्धता और टीम वर्क का प्रमाण है : डॉ. मोनिका सचदेवा

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव बहेन ने विभाग की शोध व मूल्य-आधारित शिक्षा में अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. मेरु सहगल, डीन, वाणिज्य ने अकादमिक व उद्योग सहयोग की महत्ता बताई। आयोजन सचिव एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रमुख डॉ. मोनिका सचदेवा ने आयोजन समिति, अध्यापकों, छात्र स्वयंसेवकों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन हमारी साझा दृष्टि, प्रतिबद्धता और टीम वर्क का प्रमाण है, जो भविष्य के शोध व नवाचार को प्रेरित करेगा और विकसित भारत 2047 के निर्माण में योगदान देगा।"

Spokesman 21-9-25

ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਕਰਵਾਈ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 20 ਸਤੰਬਰ (ਰਾਵਤ): ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ (GGDSD) ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੀਜੀ ਵਣਜ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਡੀਨ, ਕਾਲਜ ਵਿਕਾਸ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ, 20 ਸਤੰਬਰ 2025 ਨੂੰ 'ਵਿਕਸਤ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਪੈਰਾਡਾਈਮ ਨੂੰ ਮੁੜ ਪਰਿਭਾਸ਼ਤ ਕਰਨਾ ਭਾਰਤ: ਵਿਜ਼ਨ 2047' ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦਾ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੋ. ਸੰਜੇ ਕੌਸ਼ਿਕ, ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ, ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ, ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਅਤੇ ਡਾ. ਰਵੀ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਡੀਨ, ਕਾਲਜ ਵਿਕਾਸ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰੇ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ: ਸ਼੍ਰੀ ਅਵਿਨਾਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਬੰਧਨ, ਰਣਨੀਤੀ, ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਕਰੀ, ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਪ੍ਰਫੁੱਲਤਾ, ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਚੇਨ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ 18 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਵੱਧ ਦਾ ਵਿਭਿੰਨ ਤਜਰਬਾ ਰੱਖਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਵਰਤਮਾਨ ਵਿੱਚ TSF ਇੰਡੀਆ ਅਤੇ ਇਟਲੀ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਰਣਨੀਤੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਕਰੀ ਦੇ ਮੁਖੀ ਵਜੋਂ ਸੇਵਾ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਹਨ। IIT ਖੜਗਪੁਰ (2006) ਅਤੇ IIM ਅਹਿਮਦਾਬਾਦ (2010) ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ। ਹੋਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਬੁਲਾਰੇ: ਡਾ. ਭਾਰਤ, ਡੀਨ, ਸੂਚਨਾ ਅਤੇ ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ, ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਲੀਗਲ ਸਟੱਡੀਜ਼ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ। ਸ਼੍ਰੀ ਵੈਮਸਲੇ ਡਬਲਯੂ. ਓਕੁਕੂ, ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਪ੍ਰੈਕਟੀਸ਼ਨਰ ਅਤੇ ਸਾਫਟ ਸਕਿੱਲਜ਼ ਮਾਹਰ। ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਪ੍ਰੋ. ਅਨਿਰੁਧ ਜੋਸ਼ੀ, ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ, GGDSD ਕਾਲਜ ਸੋਸਾਇਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਸਵਾਗਤੀ ਭਾਸ਼ਣ ਨਾਲ ਹੋਈ। ਜੀਜੀਡੀਐਸਡੀ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੇ ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ ਡਾ. ਐਸ ਸੀ ਵੈਦਿਆ ਨੇ ਕਾਲਜ ਨੂੰ ਇਸ ਚੁਕਵੇਂ ਵਿਸ਼ੇ ਨੂੰ ਚੁਣਨ ਲਈ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।

The Indian Express 26-9-25

GGDSD College Hosts International Conference on Vision 2047

Chandigarh - The PG Department of Commerce and Management, Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma (GGDSD) College, in collaboration with the Dean, College Development Council, Panjab University, organized an International Conference on "Redefining Management Paradigm for Viksit Bharat: Vision 2047." The event provided a platform for academicians, policymakers,

industry leaders, researchers, and students to deliberate on strategies for India's journey to developed nation status by 2047. Prof. Sanjay Kaushik, Vice Chancellor, Gurugram University, and Dr. Ravi Inder Singh, Panjab University, addressed the gathering, stressing innovative models, visionary leadership, and the role of AI in reshaping global management practices.